

# अनुक्रम

- कथा गई कथुली। पाच  
सल। १  
मेघना, दिवाळी अंक १९८२  
रापी। १४  
आकंठ, दिवाळी अंक १९८४  
अस्वस्थ अंमलदार। ३१  
राजधानी, दिवाळी अंक १९८१  
अस्सं काहून गा बाप्पा ५५। ४६  
पूर्वा, दिवाळी अंक १९८०  
रामशरणचे स्वप्न। ५५  
सिंहगर्जना, दिवाळी अंक १९८१  
**जावे त्याच्या वंशा**  
अस्मितादर्श, दिवाळी अंक १९८८  
कथा : एका गावाची। ७८  
अस्मितादर्श, दिवाळी अंक १९८९  
मले सडकत ने जा। ९१  
अस्मितादर्श, दिवाळी अंक १९८४  
झिंग। १०३  
मन्थन, दिवाळी अंक १९८०  
माईल स्टोन। १२३  
अस्मितादर्श, दिवाळी अंक १९८४